आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शनिवार, 20 जुलाई 2024

ब्रह्मज्ञानी को स्वर्ग तृण है, शूर को जीवन तृण है, जिसने इंद्रियों को वश में किया उसको स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है, निस्पृह को जगत तृण है
-चाणक्य

वर्ष 16 अंक 313 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 37.3°C (+3.4) न्यूनतम 28.9°C(+2.8) सेंसेक्स 80,604.65 (-738.81) निफ्टी 24,530.90 (-269.95) सोना 74,500 चांदी 93,250 मुद्रा - डालर 83.72 दिरहम 22.79 रियाल 22.32

एराज़ लखनऊ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में वर्चुअल सीएमई

लखनऊ (सं)। वर्ल्ड एलर्जी वीक के अवसर पर एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ने स्टेट चैप्टर उत्तर प्रदेश नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेज इंडिया इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्युनोलॉजी नार्थ जोन और चेस्ट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के सहयोग से प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन एंड प्रोफेसर रेस्पीरेट्री मेडिसिन के नेतृत्व में एक वर्चुअल सीएमई का आयोजन किया गया।

इस वर्ष के वर्ल्ड एलर्जी वीक का विषय ओवरकामिंग फूड एलर्जी ऑब्स्टैकल्स था। प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने फूड एलर्जी के विकास और गंभीरता पर एमाइक्रोबायोम के प्रभाव के महत्व पर जोर दिया। बताया कि यह

वर्ल्ड एलर्जी वीक

सक्रिय अनुसंधान का एक क्षेत्र है जिस पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। प्रो. केबी गुप्ता ने फूड एलर्जी की मूल बातों पर प्रकाश डाला। इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी आईसीएएआई के अध्यक्ष प्रो. डी बेहरा ने इस अवसर पर कहा कि फूड एलर्जी के बारे में जागरुकता बहुत कम है।

कार्यक्रम में शामिल आईसीएएआई के सचिव. डॉ एबी सिंह, मैसूर से डॉ पीए महेश, दिल्ली से डॉ. एमके अग्रवाल और डॉ. पीसी कथूरिया, जयपुर से डॉ. वीके जैन व यूएसए से डॉ. सुजाता रमेश ने फूड एलर्जी की एपिडेमिऑलोजी, प्रिवेंशन,

डायग्नोसिस और मैनेजमेंट के बारे में बात की। डॉ. पीए महेश ने फूड सेंसीटाईजयशन और फूड एलर्जी के बीच अंतर को समझाया। बताया कि क्लीनिकल प्रैक्टिस में दोनों के बीच अंतर करना क्यों महत्वपूर्ण है। प्रो. प्रसाद ने फूड एलर्जी के निदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बीमारी में डॉक्टरों को केवल जांच पर निर्भर रहने के बजाय मरीज की पर्याप्त हिस्ट्री लेने पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. एमके अग्रवाल ने फूड एलर्जी के निदान में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न क्लीनिकल डायग्नोसिस जैसे कि स्किन प्रिक टेस्ट व सीरोलॉजिकल मार्करों पर बात की और बताया कि कैसे फूड एलर्जी के निदान के लिए भारत में हम परीक्षण की तुलना में स्किन प्रिक टेस्ट अधिक संवेदनशील मार्कर है। डॉ. पीसी कथूरिया ने मौखिक फूड चुनौती परीक्षण का उपयोग करके असंवेदनशीलता के साथ फूड एलर्जी के प्रबंधन बारे में बात की। डॉ. वीके जैन ने बताया कि फूड एलर्जी की रोकथाम में प्रोबायोटिक्स, विटामिन डी और ओमेगा 3 फैटी एसिड की भूमिका बहुत खास होती है। यूएसए की डॉ. सुजाता रमेश ने फूड एलर्जी के विभिन्न मामलों के बारे में केस आधारित चर्चा की।

डॉ. एबी सिंह ने फिर भारत में एलर्जेन अर्क के स्टैण्डर्ड ऑयजयशन की आवश्यकता के बारे में बताया। जयपुर से डॉ. कूलवाल और लखनऊ से डॉ. सूर्यकांत ने फूड एलर्जी पर पैनल चर्चा का संचालन किया। इसके अलावा लखनऊ से डॉ. राजीव गर्ग और डॉ. शितांशु श्रीवास्तव, हैदराबाद से डॉ. आरिफ अहमद, आगरा से डॉ. संतोष कुमार और डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह तथा श्रीनगर से डॉ. गुलाम हसन पैनलिस्ट थे।